(d) On account of pressing needs of the organisation at the level of Superintending Engineer, Shri Gupta, who was the senior-most Excutive Engineer available in the cadre for promotion, was promoted on a purely ad hoc and temporary basis, keeping in view his past record. Pending completion of the inquiry ordered by the Lt. Governor, a prejudicial view in the matter against the officer was not warranted.

खाद्य तेलों के मूल्यों में वृद्धि

*1042 श्री हरीशचन्द्र सिंह रावत :

श्री बी. वी. देसाई :

क्या नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले कुछ दिनों में खाद्य तेलों के मूल्यों में वृद्धि हुई है; और

(ख) यदि हां, तो उक्त मूल्य वृद्धि को रोकने के लिये मंत्रालय द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

कृषि और ग्रामीण पुनर्निर्माण और सिंचाई और नागरिक पूर्ति मंत्री (राव बीरेन्द्र सिंह) (क)और (ख), जी नहीं। 18 अप्रैल, 1981 को समाप्त होने वाले सप्ताह में खाद्य तेलों, जिनमें वनस्पति भी शामिल है, के थोक मूल्य सूचकांक में कमी हुई है।

देश में खाद्य तेलों की उपलब्धता में सुधार लाने तथा उनके मूल्य स्तर को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने कई दीर्घकालीन और अल्पकालीन कदम उठाये हैं। किये गये कुछ महत्वपूर्ण उपाय ये हैं :—

1. तिलहनों के उत्पादन को बढ़ावा देना तथा गैर-पारम्परिक स्रोतों का उपयोग करने के लिये नियोजित प्रयास करना, ताकि तेलों की मांग और आपूर्ति के बीच के अन्तर को कम किया जा सके ;

2. पर्याप्त मात्रा में तेल का आयात जारी रखना ;

3. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये तेलों की अधिक मात्रा निर्मुक्त करना ;

4. वनस्पति उद्योग द्वारा स्वैच्छिक आधार पर मूल्य नियंत्रण बरतना ;

5. वनस्पति का निरंतर उत्पादन बनाये रखना ;

6. बिनौले के तेल के अधिक उत्पादन को प्रोत्साहित करना ;

7. राज्य सरकारों से भण्डारण नियंत्रण आदेशों तथा अन्य कानूनों को लागू करने का अनुरोध करना;

8. देश के विभिन्न भागों के बीच तिलहनों तथा तेलों का निर्बाध रूप से लाना ले जाना ; और

9. वायदा बाजार आयोग द्वारा समय समय पर छापे मारकर तिलहनों तथा तेलों के गैर-कानूनी व्यापार को नियंत्रित करना।

Food-Aid to Foreign Countries

*1043 SHRI K. P. SINGH DEO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to lay a statement showing:—

(a) whether it is a fact that India is presently giving food aid to twenty countries;

(b) if so, their names and the foodgrains and quantities supplied during 1980; and

(c) what is the projection for 1981 for food aid by India?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION AND CIVIL SUPPLIES (RAO BIRENDRA SINGH): (a) and (b). India has not entered into any agreement with other countries to provide them food aid on regular basis. However, in the year 1980, some quantities of foodgrains were supplied either as commodity loan or as gift to some friendly countries as per statement laid on the Table of the Sabha.

(c) No projections for food aid by India to any country in 1981 have been made.

Statement

Statement showing Food aid given by India to other countries during 1980.

Sl No.	Name of country	Name of Commodity	Basis of Supply	Quantity Supplied (Tonnes)	Remarks
1	Vietnam . . .	Wheat	Commodity loan.	93,874	Supplies made against Govt.-to-Govt. Agreement dated 2-5-1978.
2	Bangladesh . .	Rice	Do.	22,400	Supplies made against Govt.-to-Govt. Agreement dated 4-5-1979.
3	Vietnam . . .	Rice	Do.	48,262	Supplies made against Govt.-to-Govt. Agreement dated 15-9-1980.
4	Kampuchea . .	Rice	Gift	4,987	**Includes 2,011 tonnes a donation to UNICEF for Kampucheans Relief operations.
5	Mozamibque . .	Rice	Do.	1,000	--

सीमा सुरक्षा मार्गों पर वृक्ष लगाना

1044. **श्री बुद्धि चन्द्र जैन** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार की छठी पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान देश में सीमा सुरक्षा मार्गों के दोनों ओर वृक्ष लगाने की कोई योजना है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस सम्बन्ध में ब्यौरा सभा पटल पर रखा जाएगा ; और

(ग) छठी पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान इस योजना के अन्तर्गत राजस्थान राज्य के रेगिस्तानी जिलों-बाडमेर, जैसलमेर और बीकानेर में वृक्ष रोपण के लिए कितनी राशि उपलब्ध की गई है और उन मार्गों के क्या नाम हैं जिन पर वृक्ष लगाये जायेंगे ?

कृषि और ग्रामीण पुनर्निर्माण और सिंचाई और नागरिक पूर्ति मंत्री (राव बीरेन्द्र सिंह) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं होता ।

उज्जैन को अन्य नगरों के साथ सीधी डायल सेवा से जोड़ना

1045. **श्री सत्यानारायण जटिया** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इन्दौर तथा उज्जैन के बीच सीधे डायल घुमाकर टेलीफोन सेवा आरंभ कर दी गई है ;